I.C.S.E

कक्षा : X

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.**
Attempt All the questions from **Section A.**
Attempt any four questions from **Section B**, answering at least one question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. किसानों की खुशहाली उन्नति व समृद्धि में पूरे देश की समृद्ध, उन्नति, खुशहाली छिपी है इस आधार पर 'किसान' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।
2. मनोरंजन के आधुनिक साधन पर प्रस्ताव लिखें।
3. आज मानव ने अंतरिक्ष में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर दी है इसी आधार पर विज्ञान के चमत्कार पर अपने विचार प्रकट करें।
4. एक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :

   "परिश्रम ही सफलता का सोपान है।"

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

स्पोर्ट्स ॲकडमी द्वारा आयोजित राज्य बॅडमिंटन प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु पत्र लिखिए।

अथवा

बुक डिपो को शालोपयोगी साहित्य की माँग करते हुए पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: **[10]**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे समस्याएँ बौनी हैं। लेकिन समस्या एक प्रतिभा को ख़ुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुमुखी प्रतिभा का

होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?
मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक ख़ास विषय के विशेषज्ञ होने की तुलना में। बहुमुखी लोग स्पर्धा होने से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्धा होने पर दूसरे की ओर भागते हैं। बहुमुखी लोगों में सबसे महान् माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवींद्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग। लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती है। ऐसे लोग प्रतिभाशाली आज भी माने जाते हैं, लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज़्यादा क्षेत्रों में हो, लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीद्वार मौजूद हों। बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। समस्या तब होती है, जब यह हाथ आज़माना दख़ल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में - 'एक के साधे सब सधे, सब साधे सब जाए' का मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज़्यादा फोकस नहीं किया जाता, जो सारे अंडे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आज़मा सकते हैं, पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

(क) बहुमुखी प्रतिभा क्या है? प्रतिभा से समस्या कब, कैसे हो जाती है? [2]

(ख) बहुमुखी प्रतिभा वालों की किन कमियों की ओर संकेत है? [2]

(ग) बहुमुखी प्रतिभागियों की पकड़ किन क्षेत्रों में होती है और उनकी असफलता की संभावना क्यों है? [2]

(घ) ऐसे लोगों का स्वभाव कैसा होता है और वे प्राय: सफल क्यों नहीं हो पाते? [2]

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए : [2]
"प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती।"

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - पूजा
   - धर्म

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - राजा
   - जलाशय

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - निर्माण
   - क्रोध
   - देहाती
   - मूर्खता

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - साधु
   - तपस्वी

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थपूर्ण स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए : [1]
   1. मन लगाना
   2. मस्तक नवाना

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

   a. कश्मीर में अनेक दर्शनीय पर्यटक स्थल देखने योग्य हैं। [1]

(वाक्य को शुद्ध कीजिए।)

b. मैं कलम से लिखूँगा। [1]

(वाक्य को भूतकाल में बदलिए)

c. आप <u>परिवार के साथ</u> हमारे घर आइएगा। [1]

(रेखांकित के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए)

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इसी नगरपालिका के उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी यह कहानी उसी प्रतिमा के बारे में है, बल्कि उसके भी एक छोटे-से हिस्से के बारे में।

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयं प्रकाश

1. हालदार साहब कब और कहाँ-से क्यों गुजरते थे? [2]
2. कस्बे का वर्णन कीजिए। [2]
3. नगरपालिका के कार्यों के बारे में बताइए। [3]
4. शहर के मुख्य बाज़ार में प्रतिमा किसने लगवाईं थी और उस प्रतिमा की क्या विशेषता थी? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मैंने देखा कि कुहरे की सफेदी में कुछ ही हाथ दूर से एक काली-सी मूर्ति हमारी तरफ आ रही थी। मैंने कहा-"होगा कोई"

पाठ - अपना अपना भाग्य

लेखक - जैनेंद्र कुमार

1. लेखक किसके साथ कहाँ बैठा था? [2]
2. बादलों का लेखक ने कैसा वर्णन किया है? [2]
3. लेखक ने नैनीताल की उस संध्या में कुहरे की सफेदी में क्या देखा? [3]
4. लेखक और मित्र ने उस बालक के विषय में कौन-सी बातें जानी? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी।न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. किसका हृदय क्यों खिल उठा? [2]
2. श्यामू ने कौन-सी चीज किस उद्देश्य से मँगवाई थी? [2]
3. इस कार्य में उसकी मदद किसने की उसका परिचय दें। [3]
4. अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए श्यामू ने पैसों की व्यवस्था किस प्रकार की? [3]

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,
भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;
चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'

1. 'प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]
2. मानव का विकास कभी संभव होगा? [2]
3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल [3]
   - शमित
   - विकीर्ण
   - कोलाहल
   - विघ्न
   - चैन
   - पल

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।

चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!

कविता - भिक्षुक

कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. भिक्षुक के आँसुओं के घूँट पी जाने का क्या कारण है? [2]
2. भूख मिटाने की विवशता उनसे क्या करवाती है? [2]
3. 'और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए' - पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - ओंठ, सड़क, कुत्ते, झपट, आँसू, विधाता [3]
    - ओंठ
    - सड़क
    - कुत्ते
    - झपट
    - आँसू
    - विधाता

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

मैया, मैं तौ चंद-खिलौना लैहौं।
जैहौं लोटि धरनि पर अबहीं, तेरी गोद न ऐहौं॥
सुरभी कौ पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुहैहौं।
ह्वै हौं पूत नंद बाबा को, तेरौ सुत न कहैहौं॥
आगैं आउ, बात सुनि मेरी, बलदेवहि न जनैहौं।
हँसि समुझावति, कहति जसोमति, नई दुलहिया दैहौं॥
तेरी सौ, मेरी सुनि मैया, अबहिं बियाहन जैहौं॥
सूरदास ह्वै कुटिल बराती, गीत सुमंगल गैहौं॥

कविता - सूर के पद

कवि - सूरदास

1. उपर्युक्त पद का प्रसंग स्पष्ट कीजिए। [2]
2. अपनी हठ पूरी न होने पर बाल कृष्ण अपनी माता को क्या-क्या कह रहे हैं? [2]
3. यशोदा माता श्रीकृष्ण को मनाने के लिए क्या कहती है? [3]
4. माँ यशोदा की बात सुनकर श्रीकृष्ण की क्या प्रतिक्रिया हुई? [3]

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो पाती तो कुल धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती। स्वयं उसने मुझसे कहा था, संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रहा और क्यों? [2]
2. माँ ने अपने विचारों के प्रति क्या पश्चाताप किया है? [2]
3. अतुल और उमा माँ के किस निर्णय से प्रसन्न हैं? [3]
4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है, बेटा अरे, खड़ी-खड़ी हमारा मुँह क्या ताक रहो हो? अन्दर जाकर तैयारी क्यों नहीं करती है? बहू की विदा नहीं करनी है क्या?

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. 'कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है' कथन से वक्ता का क्या अभिप्राय है? [2]
2. वक्ता की बेटी के ससुराल वालों के किस काम से उनकी आँखें खुलीं? [2]
3. उपर्युक्त कथन का श्रोता और उसकी बहन पर क्या प्रतिक्रिया हुई? [3]
4. क्या स्त्री शिक्षा दहेज प्रथा को समाप्त करने में सहायक हो सकती है? अपने विचार लिखिए। [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस फ़र्नीचर पर हमारे बाप-दादा बैठते थे, पिता बैठते थे, चाचा बैठते थे। उन लोगों को कभी शर्म नहीं आई, उन्होंने कभी फ़र्नीचर के सड़े-गले होने की शिकायत नहीं की।

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेंद्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण का वक्ता कौन है और इस समय वह किससे और क्यों बहस कर रहा है? [2]
2. श्रोता बेला के मायके और ससुराल में क्या अंतर है? [2]
3. बेला की फ़र्नीचर के बारे क्या राय थी? [3]
4. घर के फ़र्नीचर के बारे में वक्ता की राय क्या थी और वह उसे क्यों नहीं बदलना चाहता था? [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"भइया, मैं सच कह रही हूँ। जवान बेटियों की तो बड़ी भारी जिम्मेदारी होती है। इनकी शादी हो जाएगी तो तुझे कम-कम-से छुट्टी तो मिल जाएगी। फिर रोहित, वह तो लड़का है उसकी कोई ऐसी बात नहीं है।" बुआजी ने बहुत विश्वास के साथ कहा।

1. वह महिला कौन है और भइया को क्या समझा रही है? [2]
2. किसके विवाह की चिंता कर रही है? [2]
3. हमारे समाज में लड़के के विवाह की अपेक्षा लड़की के विवाह को आज इतना महत्त्व क्यों दिया जाता है? [3]
4. प्रस्तुत पंक्तियों के अर्थ अपने शब्दों में व्यक्त करो। [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, "आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।" मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके ह्रदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]
2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]
3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]
4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मीनू के मुख से अपनी प्रशंसा सुनकर नीलिमा दिल-दिल-में प्रसन्न हो उठी। परंतु उसे मीनू के दिल में छिपी पीड़ा का आभास था।

1. प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू कौन हैं उनका परिचय दें। [2]
2. मीनू प्रसन्न क्यों थी? [2]
3. कुछ सोचकर मीनू उदास क्यों हो गई? [3]
4. किसे किसकी पीड़ा का अहसास था? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.**
Attempt All the questions from **Section A.**
Attempt any four questions from **Section B**, answering at least one question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. किसानों की खुशहाली उन्नति व समृद्धि में पूरे देश की समृद्ध, उन्नति, खुशहाली छिपी है इस आधार पर 'किसान' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।

   हम किसान हर देश का आधार स्तंभ होते हैं। त्याग और तपस्या का दूसरा नाम है - 'किसान'। किसान पर ही देश की आर्थिक व्यवस्था टिकी होती है। विश्व का समस्त आनन्द, ऐश्वर्य और वैभव उनकेरे कारण ही हम सब भोग पाते हैं। एक देश के प्रत्येक व्यक्ति का जीवन किसानों पर निर्भर करता है।

   किसान सेवा, त्याग व परिश्रम की सजीव मूर्ति हैं। किसान सरलता, शारीरिक दुर्बलता, सादगी एवं गरीबी उनके सात्विक जीवन को प्रकट करती

है। किसान स्वयं न खाकर दूसरों को खिलाते हैं। किसान स्वयं न पहनकर संसार की ज़रूरतों को पूरा करते हैं। परन्तु किसान खुद अपनी जमीन के मालिक नहीं हैं, इसके कारण उन्हें हर तरह के शोषण का सामना करना पड़ता है। साहूकारों के हाथों का खिलौना बनना किसानों की मजबूरी है। किसान यदि ट्रैक्टर, जनरेटर, खरीदने, पशु खरीदने या किसी अन्य वजहों से बैंकों से कर्ज लेना चाहे तो उसके लिए इतनी लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है कि किसानों को साहूकारों से अधिक सूद अदा करने की कीमत पर कर्ज लेना ज्यादा मुनासिब लगता है।
किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह जरूरी है कि गाँवों में बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ। गाँवों में बिजली पहुँचे, सड़क बने, सिंचाई की सुविधाएँ बढ़ें तो किसानों को खेती करना आसान रहेगा। किसान समाज का सच्चा हितैषी है। यदि वह सुखी है, तो पूरा देश सुखी बन सकता है क्योंकि किसानों की खुशहाली उन्नति व समृद्धि में पूरे देश की समृद्ध, उन्नति, खुशहाली छिपी है।

2. मनोरंजन के आधुनिक साधन पर प्रस्ताव लिखें।
जिस प्रकार मनुष्य को शरीर के लिए हवा, पानी भोजन जैसी मूलभूत वस्तुओं की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मनुष्य को अपने मन को स्वस्थ रखने के लिए मनोरंजन की आवश्यकता होती है। आदिकाल से ही मनुष्य अपने मनोरंजन के भिन्न-भिन्न साधन खोजता रहा है। पहले मनुष्य मनोरंजन के लिए गीत-संगीत, नौटंकी, खेल, सर्कस, यात्रा आदि का सहारा लिया करता था। समय के परिवर्तन से भी मनोरंजन के साधनों में बदलाव आया है। आज वैज्ञानिक युग में मनुष्य के लिए मनोरंजन के साधनों की कोई कमी नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति की रूचि भिन्न प्रकार की होती है। अंत: वह अपनी रूचि के अनुसार ही मनोरंजन के साधनों की खोज करता रहता है आज मनुष्य के लिए घर और बाहर दोनों ही जगह मनोरंजन के अत्याधुनिक साधन उपलब्ध है। आज क्रिकेट, फूटबॉल, टेनिस, बॉलीबाल, बैटमिंटन, तैराकी, घुड़सवारी आदि न जाने कितने ही

को भी अच्छा रख सकते हैं।
घर बैठकर भी वो शतरंज, कैरम अदि खेलकर अपना मनोरंजन कर सकता है और आज जैसे इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध होने से तो घर बैठकर ही अनेक मनोरंजक खेल खेल सकते हैं और कुछ खेल तो ऐसे है जहाँ आप अपने घरों में ही बैठे रहते हैं परन्तु आप ऑनलाइन ग्रुप सदस्य बनाकर एक साथ मिलकर भी कई खेल खेल सकते हैं। इस प्रकार से यदि देखा जाए तो सूचना क्रान्ति के आने से आज मनोरंजन के अनेक साधन सहज और सरल रूप से हमारे लिए उपलब्ध हैं।

3. आज मानव ने अंतरिक्ष में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर दी है इसी आधार पर विज्ञान के चमत्कार पर अपने विचार प्रकट करें।
आज का युग विज्ञान का युग है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान ने एक क्रांति पैदा कर दी है। विज्ञान का अर्थ है विशेष ज्ञान। मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं के लिए जो नए-नए आविष्कार किए हैं, वे सब विज्ञान की ही देन हैं।
बिजली की खोज विज्ञान की एक बहुत बड़ी सिद्धि है। आज मनुष्य ने विज्ञान की सहायता से कई बड़े क्षेत्रों में सफलता पाई है जैसे कि चिकित्सा, सूचना क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान, यातायात आदि।
यातायात - संबंधी वैज्ञानिक आविष्कारों ने संसार को एकदम छोटा कर दिया है। पहले जहाँ मानव को एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में कई-कई वर्ष लग जाते थे वहीं आज मानव कई मीलों की दूरियों को हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज, कार आदि द्वारा कम समय में पार कर लेता है।
आज रेडियो, टेलीविजन, डीवीडी प्लेयर, थ्रीडी सिनेमा, कम्प्यूटर, इंटरनेट आदि ऐसी कई चीजे हैं जिन्हें विज्ञान द्वारा मनुष्य के मनोरंजन के लिए उपलब्ध कराया है। मोबाइल, इंटरनेट, ईमेल्स, मोबाइल पर 3जी और इंटरनेट के माध्यम से फेसबुक, ट्विटर ने तो वाकई मनुष्य की जिंदगी को बदलकर ही रख दिया है।

चिकित्सा और कृषि के क्षेत्रों में भी नई नई खोजों से बहुत लाभ हुआ है। विज्ञान द्वारा खाद व उपकरण, खाद्य पदार्थ, वाहन, वस्त्र आदि बनाने के असीमित कारखानें हैं।

विज्ञान के युद्ध-विषयक अस्त्र शस्त्रों के आविष्कारों ने देश की सभ्यता और संस्कृति को खतरे में डाल दिया है। परमाणु बम और हाइड्रोजन बम भी विज्ञान की ही देन हैं। यह बहुत ही विनाशक हैं। विज्ञान का उपयोग विनाश के लिए नहीं, विकास के लिए होना चाहिए।

4. एक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :

"परिश्रम ही सफलता का सोपान है।"

एक लड़का था जिसका नाम गौरव था। जो पढ़ाई में हमेशा पीछे रहता था। उसके माता-पिता भी उससे नाराज रहते थे।

एक दिन वह बहुत दुखी था तब उसके गुरु ने पूछा क्या बात है? तब उसने बताया सब उससे नाराज रहते हैं क्योंकि वह पढ़ाई में हमेंशा पीछे रहता था।

तब उसके गुरु जी उसे एक कुएँ के पास ले गए और उसे पत्थर पर पड़े रस्सी के निशान दिखाकर उसे समझाया कि जब बार-बार पानी खींचने से इतने कठोर पत्थर पर भी रस्सी का निशान पड़ सकता है तो लगातार मेहनत करने से तुममें भी विद्या आ सकती है। उसने यह बात मन में बैठा ली और फिर से विद्यालय जाना शुरू कर दिया। कुछ दिन तक लोग उसी तरह उसका मजाक उड़ाते रहे पर धीरे-धीरे उसकी लगन देखकर अध्यापकों ने भी उसे सहयोग करना शुरू कर दिया। उसने मन लगाकर अथक परिश्रम किया। कुछ सालों बाद यही विद्यार्थी डाक्टर बनकर समाज की सेवा करने लगा।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

उपरोक्त चित्र में हमें एक हाथ दिख रहा है जो बेड़ियों से शराब के प्याले के साथ बंधा हुआ है। यह इस बात को दर्शा रहा है की कैसे एक बार शराब और नशे की आदत लग जाए तो इंसान इस बुरी आदत से बंधकर रह जाता है।

आज पूरी दुनिया नशे की बीमारी से आक्रांत है। हमारा देश भारत भी इससे अछूता नहीं है। नशे के बढ़ते रोग ने समाज और देश के सामने अनेक समस्याएँ खड़ी कर दी हैं। युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेने वाली यह बुराई उस दीमक के समान है, जो एक बार लगने पर व्यक्ति को खोखला करके ही दम लेती है।

आज के इस बदलते दौर में पिछले कुछ वर्षों से नशीले पदार्थों का सेवन करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। विशेष कर स्कूलों, कॉलेजों तथा उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों में। आज तमाम छात्र हर फिक्र को धुएँ में उड़ाते हुए देखे जा सकते हैं। नशाखोरी की बीमारी नौजवानों को सही दिशा और लक्ष्य से भटका रही है। जो देश और समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। बच्चे जितने शिक्षित, संस्कारी व चरित्रवान होते हैं, समाज और राष्ट्र का भी उतना ही चारित्रिक विकास होता है। भारत में किसी अन्य राष्ट्र की तुलना में ज्यादा युवा धन है।

महात्मा गाँधी ने कहा था - 'अगर मेरे हाथ में एक दिन के लिए भी सत्ता आ जाए तो मैं सबसे पहला काम यह करूँगा कि शराब की तमाम दुकानों को बिना कोई मुआवजा दिए बंद करवा दूँगा।

शराब और नशाखोरी एक गंभीर चिंता का विषय है। नशाखोरी की बीमारी नौजवानों को सही दिशा और लक्ष्य से भटका रही है। समाज के सामने देश के भावी कर्णधारों को इस दुर्व्यसन से बचाना एक बड़ी चुनौती है। सरकार को नशीले पदार्थों के निर्माण पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाये जाने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। इसके अलावा नशाखोरी के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाने की भी जरूरत है। इस बुराई को रोकने और खत्म करने के ठोस उपाय के लिए सब की भागीदारी आवश्यक है।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

स्पोर्ट्स ॲकडमी द्वारा आयोजित राज्य बॅडमिंटन प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु पत्र लिखिए।

दिलीप कुलकर्णी

शिवाजी रोड

पुणे - 400 005

दिनाँक : - /- /-

सेवा में

माननीय स्पोर्ट्स शिक्षाधिकारी

'अवंतिका स्पोर्ट्स ॲकडमी

पंचवटी,

नाशिक।

विषय - राज्य बॅडमिंटन प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु आवेदन।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं दिलीप कुलकर्णी, न्यू इंग्लिश स्कूल, पुणे का छात्र हूँ। मैं अपने विद्यालय में होने वाली बॅडमिंटन प्रतियोगिता में हर वर्ष प्रथम आता हूँ इसी से प्रेरित होकर में 'अवंतिका स्पोर्ट्स अॅकडमी' द्वारा आयोजित राज्य बॅडमिंटन प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए आवेदन पत्र लिख रहा हूँ।

अत: आपसे प्रार्थना है कि आप शीघ्र ही मुझे इस प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान करें।

इसके लिए मैं आपका अति आभारी रहूँगा।

कष्ट के लिए क्षमा।

धन्यवाद।

भवदीय

दिलीप कुलकर्णी

अथवा

बुक डिपो को शालोपयोगी साहित्य की माँग करते हुए पत्र लिखिए।

सुमन राजे

प्रभात रोड

औरंगाबाद।

दिनांक : - - -

व्यवस्थापक

अजब बुक डिपो

नाशिक

विषय : अध्ययन के लिए शालोपयोगी साहित्य की पुस्तकें मँगाना।

महोदय,

आपका सूचीपत्र प्राप्त हुआ। धन्यवाद!

मैंने आपकी पुस्तकों की सूची देखी जिसमें से मैं कुछ पुस्तकों का अध्ययन करना चाहती हूँ। इसीलिए मुझे निम्नलिखित पुस्तकें मँगानी हैं। यह प्राप्त होते ही ये पुस्तकों ऊपर लिखें पते पर वी.पी.पी. द्वारा भेजने की कृपा करें।

आपके नियमों के अनुसार पेशगी के रुप में तीन सौ रुपये का पोस्टल ऑर्डर इस पत्र के साथ भेजा है। शेष रकम की वी.पी.पी. कर दें, जो यहाँ पहुँचते ही छुड़ा ली जाएगी।

	पुस्तकों के नाम	लेखक	प्रतियाँ
1.	गोदान	प्रेमचन्दजी	1
2.	साकेत	मैथिलीशरण गुप्त	1
3.	मानसरोवर भाग 2	प्रेमचन्दजी	1

भवदीय

सुमन राजे

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: **[10]**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे समस्याएँ बौनी हैं। लेकिन समस्या एक प्रतिभा को ख़ुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुमुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक ख़ास विषय के विशेषज्ञ होने की तुलना में। बहुमुखी लोग स्पर्धा होने से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्धा होने पर दूसरे की ओर भागते हैं। बहुमुखी लोगों में सबसे महान् माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवींद्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग। लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती है। ऐसे लोग प्रतिभाशाली आज भी माने जाते हैं, लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज़्यादा क्षेत्रों में हो, लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीद्वार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। समस्या तब होती है, जब यह हाथ आज़माना दख़ल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में - 'एक के साधे सब सधे, सब साधे सब जाए' का मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज़्यादा फोकस नहीं किया जाता, जो सारे अंडे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आज़मा सकते हैं, पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

(क) बहुमुखी प्रतिभा क्या है? प्रतिभा से समस्या कब, कैसे हो जाती है? [2]

उत्तर : एक ही व्यक्ति में अनेक गुणों का होना बहुमुखी प्रतिभा कहलाती है। बहुमुखी प्रतिभा वालों को कई कामों को पूरा करने की इच्छा होती है और यही उनकी समस्या भी बन जाती है क्योंकि कभी-कभी एक दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाना दूसरे के काम में दखल देना जैसा हो जाता है।

(ख) बहुमुखी प्रतिभा वालों की किन कमियों की ओर संकेत है? [2]

उत्तर : बहुमुखी लोग स्पर्धा, असफलता और आलोचना से घबराते है।

(ग) बहुमुखी प्रतिभागियों की पकड़ किन क्षेत्रों में होती है और उनकी असफलता की संभावना क्यों है? [2]

उत्तर : बहुमुखी प्रतिभागियों की पकड़ कई क्षेत्रों में होती है। उनकी असफलता की संभावना इसलिए होती क्योंकि वे एक चीज पूरी होने से पहले ही दूसरी की ओर भागने लगते हैं।

(घ) ऐसे लोगों का स्वभाव कैसा होता है और वे प्राय: सफल क्यों नहीं हो पाते? [2]

उत्तर : बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। वे एक चीज पूरी होने से पहले ही दूसरी की ओर भागने लगते हैं इसलिए वे प्रायः सफल नहीं होते।

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए : [2]

"प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती।"

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय प्रतिभाशाली व्यक्तियों की राह में आने वाली अड़चनों से है।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - पूजा - पूजनीय
   - धर्म - धार्मिक

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - राजा - नरेश, नृप
   - जलाशय - सर, तालाब, पोखर

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - निर्माण - ध्वंस
   - क्रोध - शांत
   - देहाती - शहरी
   - मूर्खता - होशियारी

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]

- साधु - साधुता
- तपस्वी - तप

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थपूर्ण स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए : [1]

1. मन लगाना
   मनन ने दसवीं की परीक्षा की तैयारी <u>मन लगाकर की थी।</u>

2. मस्तक नवाना
   परीक्षा में अच्छे अंक पाने के लिए सभी छात्रों ने देवी सरस्वती माँ के आगे <u>मस्तक नवाया</u>।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

a. कश्मीर में अनेक दर्शनीय पर्यटक स्थल देखने योग्य हैं। [1]
   (वाक्य को शुद्ध कीजिए।)
   उत्तर : कश्मीर में अनेक दर्शनीय पर्यटक स्थल हैं।

b. मैं कलम से लिखूँगा। [1]
   (वाक्य को भूतकाल में बदलिए)
   उत्तर : मैं कलम से लिखता था।

c. आप <u>परिवार के साथ</u> हमारे घर आइएगा। [1]
   (रेखांकित के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए)
   उत्तर : आप सपरिवार हमारे घर आइएगा।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इसी नगरपालिका के उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी यह कहानी उसी प्रतिमा के बारे में है, बल्कि उसके भी एक छोटे-से हिस्से के बारे में।

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयं प्रकाश

1. हालदार साहब कब और कहाँ-से क्यों गुजरते थे? [2]

   उत्तर : हालदार साहब हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले में एक कस्बे से गुजरते थे। जहाँ बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेताजी की मूर्ति लगी थी।

2. कस्बे का वर्णन कीजिए। [2]

   उत्तर : कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसा एक ही बाज़ार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल, एक लड़कियों का स्कूल, एक सीमेंट का कारखाना, दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक नगरपालिका थी।

3. नगरपालिका के कार्यों के बारे में बताइए। [3]

उत्तर : उस कस्बे नगरपालिका थी तो कुछ-न कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभी कुछ पेशाबघर बनवा दिए, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मलेन करवा दिया।

4. शहर के मुख्य बाज़ार में प्रतिमा किसने लगवाईं थी और उस प्रतिमा की क्या विशेषता थी? [3]

उत्तर : शहर के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी थी।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मैंने देखा कि कुहरे की सफेदी में कुछ ही हाथ दूर से एक काली-सी मूर्ति हमारी तरफ आ रही थी। मैंने कहा-"होगा कोई"

पाठ - अपना अपना भाग्य

लेखक - जैनेंद्र कुमार

1. लेखक किसके साथ कहाँ बैठा था? [2]

उत्तर : लेखक अपने मित्र के साथ नैनीताल में संध्या के समय बहुत देर तक निरुद्देश्य घूमने के बाद एक बेंच पर बैठे थे।

2. बादलों का लेखक ने कैसा वर्णन किया है? [2]

उत्तर : लेखक अपने मित्र के साथ नैनीताल में संध्या के समय बहुत देर तक निरुद्देश्य घूमने के बाद एक बेंच पर बैठे थे। उस समय संध्या धीरे-धीरे उतर रही थी। रुई के रेशे की तरह बादल लेखक के सिर को छूते हुए निकल रहे थे। हल्के प्रकाश और अँधियारी से रंग कर

कभी बादल नीले दिखते, तो कभी सफ़ेद और फिर कभी जरा लाल रंग में बदल जाते।

3. लेखक ने नैनीताल की उस संध्या में कुहरे की सफेदी में क्या देखा? [3]

उत्तर : लेखक ने उस शाम एक दस-बारह वर्षीय बच्चे को देखा जो नंगे पैर, नंगे सिर और एक मैली कमीज लटकाए चला आ रहा था। उसकी चाल से कुछ भी समझ पाना लेखक को असंभव सा लग रहा था क्योंकि उसके पैर सीधे नहीं पड़ रहे थे। उस बालक का रंग गोरा था परंतु मैल खाने से काला पड़ गया था, आँखें अच्छी, बड़ी पर सूनी थी माथा ऐसा था जैसे अभी से झुरियों आ गईं हो।

4. लेखक और मित्र ने उस बालक के विषय में कौन-सी बातें जानी? [3]

उत्तर : नैनीताल की संध्या के समय लेखक और उसके मित्र जब एक बेंच पर बैठे थे तो उनकी मुलाकात एक दस-बारह वर्षीय बालक से होती है।दोनों को आश्चर्य होता है कि इतनी ठंड में यह बालक बाहर क्या कर रहा है। वे उससे तरह-तरह के प्रश्न करते हैं। उससे उन्हें पता चलता है कि वो कोई पास की दुकान पर काम करता था और उसे काम के बदले में एक रूपया और जूठा खाना मिलता था।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी।न जाने क्या सोचकर उसका ह्रदय एकदम खिल उठा।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. किसका ह्रदय क्यों खिल उठा? [2]

उत्तर : श्यामू अपनी माँ के जाने के बाद हमेशा दुखी रहा करता था। उसके हम उम्र बच्चों के अनुसार उसकी माँ राम के पास गई है इसलिए

वह प्राय: शून्य मन से आकाश की और ताका करता था। एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी और श्यामू ने सोचा कि पतंग की डोर को ऊपर रामजी के घर भेजकर वह अपनी माँ को वापस बुला लेगा और यही सोचकर उसका हृदय खिल उठा।

2. श्यामू ने कौन-सी चीज किस उद्देश्य से मँगवाई थी? [2]

उत्तर : श्यामू ने एक दिन आसमान में एक पतंग उड़ती देखी तो उसके मन में यह विचार आया कि वह पतंग के सहारे अपनी माँ को रामजी के घर से वापस ले आएगा। इस तरह अपनी माँ को रामजी के घर से पुन: प्राप्त करने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसने भोला से पतंग और रस्सी मँगवाई।

3. इस कार्य में उसकी मदद किसने की उसका परिचय दें। [3]

उत्तर : श्यामू की माँ को रामजी के घर से लाने में श्यामू की मदद भोला ने की।

भोला उसका समवयस्क साथी था। वह सुखिया दासी का पुत्र था। भोला चतुर समझदार था परंतु छोटा होने के कारण डरपोक भी था इसलिए विश्वेश्वर के डाँटने पर उसने चोरी संबंधित सारी बात उगल दी। वह भी श्यामू की तरह मासूम और भावुक बालक है।

4. अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए श्यामू ने पैसों की व्यवस्था किस प्रकार की? [3]

उत्तर : श्यामू अपनी माँ को रामजी के घर से लाने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए पहले अपने पिता से पतंग दिलवाने की प्रार्थना करता है परंतु जब उसके पिता उसे पतंग नहीं दिलवाते हैं तो वह खूँटी पर रखे पिता के कोट से चवन्नी चुरा लेता है और भोला से कहकर पतंग और डोर की व्यवस्था करता है। इस प्रकार अपनी माँ को वापस लाने के लिए वह चोरी करने से भी नहीं हिचकिचाता।

साहित्य सागर

पद्‌य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्‌यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,
भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;
चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'

1. 'प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

   उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते।

2. मानव का विकास कभी संभव होगा? [2]

   उत्तर : मानव के विकास के पथ पर अनेक प्रकार की मुसीबतें उसकी राह रोके खड़ी रहती है तथा विशाल पर्वत भी राह रोके खड़े रहता है। मनुष्य जब इन सब विपत्तियों को पार कर आगे बढ़ेगा तभी उसका विकास संभव होगा।

3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? [3]

उत्तर : ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते। सभी लोग सुखी होंगे। इस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है।

4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल [3]

- शमित - शांत
- विकीर्ण - बिखरे हुए
- कोलाहल - शोर
- विघ्न - रूकावट
- चैन - शांति
- पल - क्षण

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!

कविता - भिक्षुक

कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. भिक्षुक के आँसुओं के घूँट पी जाने का क्या कारण है? [2]

उत्तर : भिक्षुक भूख के मारे व्याकुल है, साथ में उसके बच्चे भी हैं। भिक्षुक शरीर से भी दुर्बल है। भीख में जब उसे कुछ नहीं मिलता तब वह आँसुओं के घूँट पी जाता है।

2. भूख मिटाने की विवशता उनसे क्या करवाती है? [2]

उत्तर : भिक्षुक को जब कुछ नहीं मिलता तो वे जूठी पत्तलें चाटने के लिए विवश हो जाते हैं। जूठी पत्तलों में जो कुछ थोड़ा बहुत अन्न बचा था वे उसी को खाकर अपनी भूख शांत करने का प्रयास करते हैं।

3. 'और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए' - पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय भूख की विवशता से है। भिक्षुक जब सड़क पर खड़े होकर जूठी पत्तलों को चाटकर अपनी भूख को मिटाने का प्रयास कर रहे थे तब सड़क के कुत्ते भी उन्हीं पत्तलों को पाने के लिए भिक्षुक पर झपट पड़े थे।

4. शब्दार्थ लिखिए - ओंठ, सड़क, कुत्ते, झपट, आँसू, विधाता [3]

- ओंठ - ओष्ठ
- सड़क - मार्ग
- कुत्ते - श्वान
- झपट - छिनना
- आँसू - अश्रु
- विधाता - ईश्वर

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

मैया, मैं तौ चंद-खिलौना लैहौं।
जैहौं लोटि धरनि पर अबहीं, तेरी गोद न ऐहौं॥
सुरभी कौ पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुहैहौं।
ह्वै हौं पूत नंद बाबा को, तेरौ सुत न कहैहौं॥
आगैं आउ, बात सुनि मेरी, बलदेवहि न जनैहौं।
हँसि समुझावति, कहति जसोमति, नई दुलहिया दैहौं॥
तेरी सौ, मेरी सुनि मैया, अबहिं बियाहन जैहौं॥
सूरदास ह्वै कुटिल बराती, गीत सुमंगल गैहौं॥

कविता - सूर के पद

कवि - सूरदास

1. उपर्युक्त पद का प्रसंग स्पष्ट कीजिए। [2]

   उत्तर : उपर्युक्त पद महाकवि सूरदास द्वारा रचित है। इस पद में बाल कृष्ण अपनी यशोदा माता से चंद्रमा रूपी खिलौना लेने की हठ कर रहे हैं उसका वर्णन किया गया है।

2. अपनी हठ पूरी न होने पर बाल कृष्ण अपनी माता को क्या-क्या कह रहे हैं? [2]

   उत्तर : अपनी हठ पूरी न होने पर बाल कृष्ण अपनी माता को कहते हैं कि जब तक उन्हें चाँद रूपी खिलौना नहीं मिल जाता तब तक वह न तो भोजन ग्रहण करेंगे, न चोटी गुँथवाएगे, न मोतियों की माला पहनेंगे, न उनकी गोद में आएँगे, न ही नंद बाबा और यशोदा माता के बेटे कहलाएँगे।

3. यशोदा माता श्रीकृष्ण को मनाने के लिए क्या कहती है? [3]

   उत्तर : यशोदा माता श्रीकृष्ण को मनाने के लिए उनके कान में कहती है, तुम ध्यान से सुनो। कहीं बलराम न सुन ले। तुम तो मेरे चंदा हो और में तुम्हारे लिए सुंदर दुल्हन लाऊँगी।

4. माँ यशोदा की बात सुनकर श्रीकृष्ण की क्या प्रतिक्रिया हुई? [3]

   उत्तर : माँ यशोदा की बात सुनकर श्रीकृष्ण कहते हैं माता तुझको मेरी सौगन्ध। तुम मुझे अभी ब्याहने चलो।

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो पाती तो कुल धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती। स्वयं उसने मुझसे कहा था, संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रहा और क्यों? [2]

उत्तर : यहाँ पर अतुल और अविनाश की माँ हिन्दू समाज की रूढ़िवादी संस्कारों से ग्रस्त हैं। वे संस्कारों की दास हैं। एक मध्यम परिवार में अपने पुराने संस्कारों की रक्षा करना धर्म माना जाता है। इसलिए माँ संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रही।

2. माँ ने अपने विचारों के प्रति क्या पश्चाताप किया है? [2]

उत्तर : माँ ने अपने रूढ़ीवादी विचारों के कारण अपने बेटे-बहू से बिछड़ने का पश्चाताप किया है।

3. अतुल और उमा माँ के किस निर्णय से प्रसन्न हैं? [3]

उत्तर : जब माँ को अविनाश की पत्नी की बीमारी की सूचना मिलती है तब उसका हृदय मातृत्व की भावना से भर उठता है। उसे इस बात का आभास है कि यदि बहू को कुछ हो गया तो अविनाश नहीं बचेगा। माँ को पता है कि अविनाश को बचाने की शक्ति केवल उसी में है। इसलिए वह प्राचीन संस्कारों के बाँध को तोड़कर अपने बेटे के पास जाना चाहती है।

4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

उत्तर : अविनाश की वधू बहुत भोली और प्यारी थी, जो उसे एक बार देख लेता उसके रूप पर मंत्रमुग्ध हो जाता। बड़ी-बड़ी काली आँखें उनमें शैशव की भोली मुस्कराहट उसके रूप तथा बड़ों के प्रति आदर के भाव ने अतुल और उमा को प्रभावित किया।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है, बेटा अरे, खड़ी-खड़ी हमारा मुँह क्या ताक रहो हो? अन्दर जाकर तैयारी क्यों नहीं करती है? बहू की विदा नहीं करनी है क्या?

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. 'कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है' कथन से वक्ता का क्या अभिप्राय है? [2]

उत्तर : 'कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है' कथन से वक्ता जीवन लाल का यह अभिप्राय है कि बहू भी बेटी होती है और इस बात का उन्हें अहसास हो गया है।

2. वक्ता की बेटी के ससुराल वालों के किस काम से उनकी आँखें खुलीं? [2]

उत्तर : वक्ता जीवन लाल अपनी बेटी गौरी के ससुरालवालों को दहेज देने के बावजूद उसके ससुराल वालों ने उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित करने पर जीवन लाल की आँखें खुलीं।

3. उपर्युक्त कथन का श्रोता और उसकी बहन पर क्या प्रतिक्रिया हुई? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन को सुनकर प्रमोद मुस्करा कर अपने जीजा रमेश की ओर देखने लगा तथा उसकी बहन कमला खुशी के आँसू पोंछती हुई अंदर चली गई।

4. क्या स्त्री शिक्षा दहेज प्रथा को समाप्त करने में सहायक हो सकती है? अपने विचार लिखिए। [3]

उत्तर : जी हाँ, स्त्री शिक्षा दहेज प्रथा को समाप्त करने में सहायक हो सकती है। शिक्षा से बेटियाँ खुद आत्मनिर्भर बनेंगी। समाज में बेटा-बेटी का फर्क मिट जाएगा तथा वे अपने अधिकार एंव अत्याचारों के प्रति सजग रहेंगी।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस फ़र्नीचर पर हमारे बाप-दादा बैठते थे, पिता बैठते थे, चाचा बैठते थे। उन लोगों को कभी शर्म नहीं आई, उन्होंने कभी फ़र्नीचर के सड़े-गले होने की शिकायत नहीं की।

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेंद्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण का वक्ता कौन है और इस समय वह किससे और क्यों बहस कर रहा है? [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण का वक्ता परेश है जो कि तहसीलदार है। इस समय वह अपनी पत्नी बेला से फ़र्नीचर के बाबत बहस कर रहा है।

बेला पढ़ी-लिखी और आधुनिक विचारधारा को मानने वाली स्त्री है। वह घर के पुराने फ़र्नीचर को बदलना चाहती है और इसलिए वह इस बात पर अपने पति परेश से बहस करती है।

2. श्रोता बेला के मायके और ससुराल में क्या अंतर है? [2]

उत्तर : बेला जो की घर की छोटी बहू है, बड़े घर से ताल्लुक रखती है। घर की इकलौती लड़की होने के कारण उसे अपने घर में बहुत अधिक लाड़-प्यार, मान सम्मान और स्वच्छंद वातावरण मिला था। उसके विपरीत उसका ससुराल एक संयुक्त परिवार था जो घर के दादाजी की छत्रछाया में जीता था। यहाँ के लोग सभी पुराने संस्कारों में ढले हैं।

3. बेला की फ़र्नीचर के बारे क्या राय थी? [3]

उत्तर : बेला बड़ी घर की एकलौती बेटी होने के कारण अपने मायके में लाड़-प्यार से पली-बढ़ी थी। यहाँ ससुराल में सभी पुराने संस्कारों को मानने वाले थे अत: घर की कोई भी चीज को बदलना नहीं चाहते थे। बेला की राय में कमरे का फ़र्नीचर सड़ा-गला और टूटा-फूटा है और वह इस प्रकार के फ़र्नीचर को अपने कमरे में रखने की बिल्कुल भी इच्छुक नहीं थी।

4. घर के फ़र्नीचर के बारे में वक्ता की राय क्या थी और वह उसे क्यों नहीं बदलना चाहता था? [3]

उत्तर : वक्ता परेश पढ़ा-लिखा और तहसीलदार पद को प्राप्त किया युवक है परंतु संयुक्त परिवार में रहने के कारण उसे घर के माहौल के साथ ताल-मेल बिठाकर कार्य करना होता है। उसकी पत्नी बेला को कमरे का फ़र्नीचर टूटा-पुराना और सड़ा-गला लगता है तो इस पर वक्ता कहता है कि यह वही फ़र्नीचर है जिस पर उसके दादा, पिता और चाचा बैठा करते थे। उन्होंने तो कभी फ़र्नीचर की ऐसी शिकायत नहीं की और यदि इस फ़र्नीचर को वह कमरे में न रखे तो उसके परिवार इसे ठीक नहीं समझेंगे। अत:वक्ता अपने कमरे का फ़र्नीचर बदलना नहीं चाहता था।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"भइया, मैं सच कह रही हूँ। जवान बेटियों की तो बड़ी भारी जिम्मेदारी होती है। इनकी शादी हो जाएगी तो तुझे कम-कम-से छुट्टी तो मिल जाएगी। फिर रोहित, वह तो लड़का है उसकी कोई ऐसी बात नहीं है।" बुआजी ने बहुत विश्वास के साथ कहा।

1. वह महिला कौन है और भइया को क्या समझा रही है? [2]

   उत्तर : वह महिला मीनू की बुआ है। वह अपने भइया को बेटियों के विवाह का महत्त्व समझा रही है। बुआ के अनुसार बेटियों के शादी हो जाने से माता-पिता को बहुत बड़े कामों से मुक्ति मिल जाती है।

2. किसके विवाह की चिंता कर रही है? [2]

   उत्तर : बुआ अपनी भतीजी मीनू और आशा की विवाह की चिंता कर रही है। मीनू और आशा के पिता की तबियत भी खराब खराब रहती थी और ऊपर से अभी तक मीनू और आशा का विवाह भी न हुआ था अत: बुआ इनके विवाह की चिंता कर रही है।

3. हमारे समाज में लड़के के विवाह की अपेक्षा लड़की के विवाह को आज इतना महत्त्व क्यों दिया जाता है? [3]

   उत्तर : हमारे समाज में स्त्री को दोयम दर्जे का समझा जाता है। माता-पिता बेटी को एक भार और बोझ समझते हैं। बेटी को पराया धन समझा जाता है। उसके विपरीत बेटे को घर का चिराग और कुलदीपक समझा जाता है। और यही कारण है कि लड़की के विवाह को हमारे समाज में इतना अधिक महत्त्व दिया जाता है।

माता-पिता को लगता है कि बेटी के विवाह से उनके सिर से एक बड़ी भारी जिम्मेदारी उतर जाएगी।

4. प्रस्तुत पंक्तियों के अर्थ अपने शब्दों में व्यक्त करो। [3]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों का अर्थ यह है कि बेटियाँ माता-पिता की बड़ी जिम्मेदारियाँ होती है। वे उनका विवाह करके ही इस जिम्मेदारी से मुक्त हो सकते हैं।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, "आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।" मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके ह्रदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]

उत्तर : नवयुवक अमित है। ये वही है जो कुछ दिनों पहले मीनू देखने के लिए आया था और उसका रिश्ता यह कहकर ठुकराया था कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आ गई थी।

2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]

उत्तर : मीनू अपने सामने अमित को देखकर चौंक गई। मीनू ने यह कल्पना नहीं की थी कि किसी दिन अमित से उसका सामना इस तरह होगा।

3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]

उत्तर : अमित ने जब मीनू की प्रशंसा की तो वह खुश नहीं हुई क्योंकि अमित वही लड़का था जिसने कुछ दिनों पूर्व उसका रिश्ता ठुकराया था।

4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर अमित ने मीनू जैसी गुणी लड़की का रिश्ता ठुकराकर उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई थी। मीनू पढ़ी-लिखी गुणी लड़की थी परंतु अमित के माता-पिता ने अमीर लड़की का रिश्ता आने के कारण उसके रिश्ते को यह कहकर ठुकराया कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आई है जबकि वास्तव में वे धनीमल की बेटी सरिता से अमित का विवाह करवाना चाहते थे।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मीनू के मुख से अपनी प्रशंसा सुनकर नीलिमा दिल-दिल-में प्रसन्न हो उठी। परंतु उसे मीनू के दिल में छिपी पीड़ा का आभास था।

1. प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू कौन हैं उनका परिचय दें। [2]

उत्तर : प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू दो सहेलियाँ हैं।

2. मीनू प्रसन्न क्यों थी? [2]

उत्तर : मीनू प्रसन्न इसलिए थी क्योंकि बहुत कोशिशों के बाद मेरठ में रहने वाले लड़के को उसका फोटो पसंद आ गया था।

3. कुछ सोचकर मीनू उदास क्यों हो गई? [3]

उत्तर : मीनू पहले यह सोचकर प्रसन्न थी की उसकी फोटो को लड़के वालों ने पसंद कर लिया है लेकिन उसे कुछ पुरानी बातें याद आ जाती इससे पहले कई लड़कों ने उसे सांवली बताकर उसका रिश्ता ठुकराया है और यही सब सोचकर वह उदास हो जाती है।

4. किसे किसकी पीड़ा का अहसास था? [3]

उत्तर : नीलिमा को अपनी सहेली मीनू की पीड़ा का अहसास था। नीलिमा यह जानती थी कि उसकी मित्र अपने रंग को लेकर हीन भावना से ग्रसित है। इसलिए जब वह अपनी फोटो पसंद आ जाने की खबर सुनाती है तो बड़ी प्रसन्न रहती है परंतु कुछ ही क्षण में उसकी ख़ुशी उन पुराने ठुकराए रिश्तों को याद कर काफूर भी हो जाती है। और यही बात से नीलिमा बड़ी अच्छी तरह से वाकिफ थी।